सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति

शैक्षिक मोबाइल वैन दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहित करेगी : राज्यपाल

देहरादून 13 जनवरी, 2012

दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने तथा राज्य के सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार व जरूरतमंद लोगों तक उच्च शिक्षा एवं व्यवसायिक शिक्षा को पहुंचाने के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित मोबाइल वैन बहुत कारगर साबित होगी। यह बात उत्तराखण्ड की राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा ने उमुवि द्वारा संचालित **शैक्षिक मोबाइल वैन** को हरझंडी दिखाकर रवाना करने से पूर्व राजभवन में आयोजित एक शूक्ष्म औपचारिक समारोह में कही। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में कम से कम एक वैन इस अभियान हेतु संचालित की जाय जिसके अंतर्गत होटल एवं पर्यटन व्यवसाय के अतिरिक्त खाद्य एवं पोषण जेसे पाठ्यक्रमों को भी शामिल किया जाय। जिससे राज्य में कुपोषण एवं रक्त अल्पता जैसी समस्याओं के प्रति जनसमुदाय को जागरूक करने में मद्द मिल सकती है।

आज के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने विश्वविद्याल के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक की सकारात्मक सोच और शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में विश्वविद्यालय को एक पहचान दिलाने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयोग **बैंचमार्क** साबित होगा। राज्यपाल ने संचार एवं सूचना तकनीक के आधुनिक युग में इस प्रयोग को परम्परागत उच्च शिक्षा के अवसरों से वंचित युवाओं विषेशतः महिलाओं के लिए बहुत प्रभावी माध्यम बताया।

उमुवि के होटल प्रबन्धन एवं पर्यटन विद्याशाखा का यह प्रयोग इण्डियन नॉलेज कार्पोरेशन (आईकेसी) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये विश्वविद्यालय की उपलब्धियों तथा आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रारम्भ में इस मोबाइल वैन से केवल होटल प्रबन्धन के सर्टिफिकेट्स कार्यक्रमों का संचालन किया जायेगा लेकिन धीरे–धीरे सभी सम्भावित व राज्य के युवाओं के लिए आवश्यक कार्यक्रमों का संचालन भी इस वैन के माध्यम से किया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के प्रबन्धन विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0 सी0 मिश्र ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री अशोक, आईकेसी के एमडी श्री बोरखड़े, विवि के कुलसचिव सुधीर बुड़ाकोटी, उत्तरांचल संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ0 सुधारानी पाण्डेय, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 डी0 एस0 चौहान, प्रो0 गोविन्द सिंह, प्रो0 दुर्गेश पंत, प्रो0 गिरीजा पाण्डे, प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल, उपकुलसचिव डीके सिंह, डॉ0 फारूख सहित अनेक शिक्षाविद, बुद्धीजीवी एवं होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थी उपस्थित थे।

————0————

सूचना अधिकारी, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0 9456590619, टेली0/फैक्स 0135–2756172